



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1]
No. 1]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 2, 2006/पौष 12, 1927
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 2, 2006/PAUSA 12, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 2006

सं. 79/(आरई-2005)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/पीएन/ए एम 06/पी सी I.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक, विदेश व्यापार 31-3-2002 या उससे पहले जारी अग्रिम लाइसेंसों के पुराने मामलों जिनमें लाइसेंसधारक लाइड डी ई सी पुस्तकें प्रस्तुत नहीं कर पाता है, के निपटान हेतु राजस्व विभाग के परामर्श से एतद्वारा निम्नलिखित दिशानिर्देश जारी करते हैं :—

1. मात्रा आधारित अग्रिम लाइसेंस (क्यू ए बी ए एल) के मामलों के सम्बन्ध में लाइसेंसधारक को निर्यात दायित्व की विमुक्ति हेतु मामले पर कार्यवाही करने के लिए क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित दस्तावेजों को प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा :—

- i) सीमाशुल्क जाँच रिपोर्ट के पृष्ठांकन सहित मूल या डुप्लीकेट ई. पी. प्रति अथवा पोतलदान बिल की डी ई सी प्रति,
- ii) बैंक वसूली प्रमाणपत्र की मूल अथवा बैंक से सत्यापित डुप्लीकेट प्रति,
- iii) सीमाशुल्क से सत्यापित बीजक/पैकिंग सूची,
- iv) एक बचनबद्धता सहित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों तथा सीमाशुल्क प्राधिकारियों की क्षतिपूर्ति का शपथपत्र जिसमें उन स्कीमों को छोड़कर जो इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न प्रारूप के अनुसार उन्हीं पोत लदान बिलों के मद्दे अग्रिम लाइसेंस स्कीम के अतिरिक्त अनुमति की गयी थी, कि नहीं अन्य निर्यात संवर्धन स्कीमों आदि के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए नियत दस्तावेजों का प्रयोग नहीं किया गया है,

v) केन्द्रीय उत्पाद प्राधिकारी द्वारा विधिवत् प्रतिहस्ताक्षरित माडवेट अनुपलब्धता प्रमाणपत्र की एक प्रति

2. मूल्य आधारित अग्रिम लाइसेंस (बी ए बी ए एल) मामलों के संबंध में, लाइसेंसधारक को निर्यात दायित्व की विमुक्ति हेतु मामले पर कार्यवाही करने के लिए क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी के समक्ष निम्नलिखित दस्तावेजों को प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा :—

- i) सीमाशुल्क जाँच रिपोर्ट के पृष्ठांकन सहित मूल या डुप्लीकेट ई. पी. प्रति अथवा पोतलदान बिल की डी ई ई सी प्रति,
- ii) बैंक वसूली प्रमाणपत्र की मूल अथवा बैंक से सत्यापित डुप्लीकेट प्रति,
- iii) एक बचनबद्धता सहित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों तथा सीमाशुल्क प्राधिकारियों की क्षतिपूर्ति का शपथपत्र जिसमें उन स्कीमों को छोड़कर जो इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न प्रारूप के अनुसार उन्हीं पोत लदान बिलों के मद्दे अग्रिम लाइसेंस स्कीम के अतिरिक्त अनुमत की गयी थी, किन्हीं अन्य निर्यात संवर्धन स्कीमों आदि के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए निर्यात दस्तावेजों का प्रयोग नहीं किया गया है,
- iv) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् प्रतिहस्ताक्षरित मोडवेट अनुपलब्धता प्रमाणपत्र की एक प्रति,
- v) निर्यात दायित्व में कमी को दिनांक 22.9.2000 के नीति परिपत्र सं0 28 (आर ई-2000) की शर्तों के अनुसार नियमित किया जाए,
- vi) यदि आयात या निर्यात खेप मूल्य के अति मूल्यांकन/अल्म मूल्यांकन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी की कोई रिपोर्ट/अभ्युक्ति नहीं है तो मामले के निपटान हेतु लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास उपलब्ध मूल्य डाटा पर विचार किया जाएगा।

3. वास्तविक निर्यात हेतु अग्रिम लाइसेंस के मद्दे बांड/बैंक गारन्टी/विधिक घचनबद्धता के विमोचन से पूर्व सीमाशुल्क प्राधिकारी पंजीयन के पत्तन पर दिए गए निर्यात ब्योरे का सत्यापन करेगा कि वह उनके रिकार्ड के अनुसार है या नहीं।

4. क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा निर्यात दायित्व का निर्वहन करते ही अपेक्षित दस्तावेजों के साथ निर्यात दायित्व विमुक्ति-पत्र की एक प्रति संबंधित सीमाशुल्क प्राधिकारी को अग्रेषित की जानी चाहिए।

5. तथापि, उन अग्रिम लाइसेंसों के संबंध में ऊपर उल्लिखित पैराग्राफ 1 से 2 के प्रावधानों की अनुमति नहीं होगी जिनमें मिथ्या-निरूपण/छल, लाइसेंसिंग/ सीमाशुल्क प्राधिकारियों के नोटिस में आया है और संगमरमर हेतु उन अग्रिम लाइसेंसों के संबंध में जिनमें अपरिष्कृत संगमरमर का आयात अनुमत था । इसके अतिरिक्त उन लाइसेंसों के

संबंध में जिनमें निर्यात दायित्व की पूर्ति को प्रमाणित करने वाले दस्तावेज प्रस्तुत न करने के कारण, लोगड डी ई ई सी पुस्तकों के अलावा, पैराग्राफ 1 से 2 में निर्धारित उपर्युक्त प्रावधान लागू नहीं होंगे ।

6. उपर्युक्त निर्धारित शर्तों के आधार पर क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी अग्रिम लाइसेंसों के ऐसे सभी मामलों के लिए पंजीयन पत्तन पर सीमाशुल्क प्राधिकारी को मासिक रिपोर्ट अग्रेषित करेंगे जिनमें क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा निर्यात दायित्व विमुक्त किया गया है ।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार और पदेन अपर सचिव

अनुलग्नक

शपथपत्र सह क्षतिपूर्ति बन्धपत्र

मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता हूँ/करते हैं और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि नीचे दिए गए पोतलदान बिल फाइल कर दिए गए हैं और फाइल सं0..... से कार्यालय (लाइसेंसिंग प्राधिकारी का नाम) से जारी अग्रिम लाइसेंस सं0..... दिनांक के तहत सीमाशुल्क द्वारा स्वीकृत किए गए पोतलदान और लाइसेंस के अनुसार अनुमति कच्चे माल की सीमाशुल्क छूट अधिसूचना सं0..... दिनांक..... के प्रति अनुमति दे दी गई है ।

क्रम सं0	पोतलदान बिल सं0	निर्यात उत्पाद	भार	मूल्य
				(रु0 में)
	और दिनांक			

मैं/हम सुनिश्चित करता हूँ/करते हैं कि माल उपर्युक्त शिपिंग बिलों के प्रति निर्यात किया गया है और निर्यात आय की वसूली कर ली गई है । मैं/हम आगे पुष्टि करता हूँ/करते हैं और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि, जैसा कि ऊपर बताया गया है, निर्यात बिलों को उन स्कीमों जिनकी इन शिपिंग बिल(बिलों) के प्रति अग्रिम लाइसेंस स्कीम के किसी अन्य स्कीम के तहत अनुमति थी, को छोड़कर किसी अन्य लाइसेंस के प्रति निर्यात दायित्व की पूर्ति के लिए नहीं लिया गया । मैं/हम आगे घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त शिपिंग बिलों अथवा अग्रिम लाइसेंस से संबंधित मामले के लिए न तो कोई न्याय निर्णय आदेश पारित कियागया है और न ही कोई न्यायालय मामला लघित है । मैं/हम आगे घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जमा किए गए दस्तावेजों की फोटो प्रतियाँ वास्तविक दस्तावेजों की सही प्रतियाँ हैं ।

मैं/हम सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता हूँ/करते हैं और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दिया गया विवरण मेरी/हमारी जानकारी और रिकार्ड के अनुसार सत्य है । मैं/हम भारत सरकार को धनराशि वसूल करने के लिए वचन देता हूँ/देते हैं यदि मेरे/हमारे द्वारा उपर्युक्त प्रस्तुति के कारण कोई राजस्व की हानि होती हो (हुई हो) ।

तारीख :

स्थान :

नाम :

हस्ताक्षर :

पदनाम :

पता :

टिप्पणी :-

1. यह क्षतिपूर्ति बन्धपत्र 150/-रु० के स्टाम्प पत्र पर प्रस्तुत किया जाए ।
2. यह बन्धपत्र नोटरी द्वारा प्रमाणित होना चाहिए ।
3. मालिक/हिस्सेदार/निदेशक/प्राधिकृत हस्ताक्षरक को अपने नाम और आवासीय पते के साथ बन्धपत्र हस्ताक्षरित करना चाहिए । यदि बंधपत्र प्राधिकृत हस्ताक्षरक द्वारा हस्ताक्षर किया गया है, तो प्राधिकृत हस्ताक्षरक के पक्ष में मुख्तारनामा की प्रति संलग्न की जाए ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd January, 2006

No. 79 / (RE : 2005)/2004—2009

F. No. 01/94/180/PN/AM 06/PC-I.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby lays down the following guidelines in consultation with Department of Revenue for disposal of the old cases of advance licences issued before 31-03-2002 where the licensee is unable to produce the logged DEEC books :—

1. In respect of Quantity Based Advance Licence (QABAL) cases, the licensee is required to furnish the following documents before the RLA for processing the case for E.O. discharge:-

- i. Original or Duplicate E.P. Copy or DEEC copy of the shipping bills with endorsement of custom's examination report;
- ii. Original or bank attested duplicate copy of bank realization certificate;
- iii. Customs attested invoice/packing list;
- iv. An affidavit indemnifying the RLAs and the customs along with an undertaking that the export documents have not been utilized for obtaining benefits under any other Export Promotion Schemes etc. except the schemes which were allowed in addition to advance licence scheme against the same shipping bills as per the format annexed with this Public Notice;
- v. A copy of the MODVAT Non-availment certificate duly countersigned by Central excise Authority.

2. In respect of Value Based Advance Licence(VABAL) cases, the licensee is required to furnish the following documents before the RLA for processing the case for E.O. discharge:-

- i. Original or Duplicate E.P. Copy or DEEC copy of the shipping bills with endorsement of custom's examination report;

- ii. Original or bank attested duplicate copy of bank realization certificate;
- iii. An affidavit indemnifying the RLAs and the customs along with an undertaking that the export documents have not been utilized for obtaining benefits under any other Export Promotion Schemes etc except the schemes which were allowed in addition to advance licence scheme against the same shipping bills as per the format annexed with this Public Notice;
- iv. A copy of the MODVAT Non-availment certificate duly countersigned by Central excise Authorities;
- v. Shortfall in Exports obligation to be regularised in terms of Policy Circular No. 28(RE-2000) dated 22.9.2000;
- vi. In case there is no report/remark by the customs authority on over-valuation/under-valuation of price of import or export consignment, the price data available with the licensing authority shall be considered for disposal of the case.

3. Before redemption of Bond/Bank Guarantee/LUT against advance licence for physical exports, the customs Authority at the port of registration shall verify that the details of exports given are as per their records.

4. Once the E.O. is discharged by RLA, a copy of the E.O discharge letter along with the required documents should be forwarded to the concerned customs authority. In addition, all RLAs are instructed to send monthly reports to the concerned commissioner of customs giving details of advance licences which have been discharged by RLAs based on above stipulated conditions.

5. However, the provisions of paragraph 1 to 2 stated above shall not be allowed in respect of the advance licences where mis-representation / fraud has come to the notice of the licencing/customs authorities and in respect of advance licences for Marble where import of rough marble was permitted. Further in respect of licences where adjudication orders have already been passed on account of non-submission of documents evidencing fulfillment of export obligation, other than logged DEEC books, the aforesaid provision stipulated in paragraph 1 to 2 shall not be admissible.

6. The Regional Licensing Authorities shall forward a Monthly Report to the Customs Authority at the Port of Registration for all such cases of advance licences where export obligation has been discharged by the RLA.

9 5/2006-2

This issues in public interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade & Ex-officio Addl. Secy.

ANNEXURE

AFFIDAVIT-CUM-INDEMNITY BOND

I / We hereby solemnly affirm and declare that the shipping bills as stated below have been filed and shipments cleared by the Customs under advance licence No. dated issued from the office of(name of the licensing authority) from F.No..... and the raw-material(s) allowed as per the licence has been cleared against Customs Exemption Notification No dated....

Sl.No.	Shipping Bill No. & date	Export Product	Weight	Value (in Rs.)
--------	--------------------------	----------------	--------	----------------

I/We confirm that goods have been exported against above shipping bills and the export proceeds have been realized. I/We further affirm and declare that shipping bills, as stated above, have not been taken into account for fulfillment of export obligation against any other licence except the Schemes which were allowed in addition to Advance Licence Scheme against the same shipping bill(s). I/We further declare that neither any adjudication order have been passed nor any court case is pending for the matter related to aforesaid shipping bills or the advance licence. I/We further declare that photo copies of the documents submitted are the true copies of the genuine original documents.

I/We solemnly affirm and declare that whatever is stated above is true to the best of my / our knowledge and record. I/We further indemnify the Government of India to recover the amount, if any for any revenue loss which may occur (might have occurred) due to the above submission made by me / us.

DATE :

NAME:

PLACE:

SIGNATURE:

Note:—

DESIGNATION:

ADDRESS:

1. This indemnity bond should be submitted on Rs.150/- Stamp Paper.
2. The bond is required to be notarised.
3. Proprietors /Partners / Directors / Authorised Signatory has to sign the bond alongwith their name and residential address. In case the bond is signed by authorized signatory, copy of power of attorney in favour of authorized signatory needs to be enclosed.